

SHRI A. ZAKIA

Shri A. Zakia, Retired School Headmaster, is widely recognized for his role in the development of Mara literature and for being the distinguished person among the roams in Educational field.

2. Born on October 30, 1930 at Lorrain Vill, Saikao, Siaha District in Mizoram, Shri Zakia received his school education in Mission School, the first Missionary School at Saikao. In 1956 he completed Teacher Training at Serkawn and Junior Basic Training at Aizawl in 1960. He had been serving as School Headmaster in Government Primary School at Siaha since 1957 till his retirement (1957 - 1996)

3. Shri Zakia founded Primary Teachers Association (PTA) in Chhimtuipui District in 1969. He served in the Association in various capacities such as President, Vice President and General Secretary till 1990. Again in 1978 Saiha Teachers Union (STU) was founded. He is one of the Co-founders and served as Vice President and Finance Secretary. He is a member of local church Siaha vaihpi and served as General Secretary (1984-2002). In 2000 Civil Pensioner Association was founded and served as Assistant Secretary 2000-2007. He also served as Adviser in two NGO's i.e. Mara Student Organisation (MSO) and Mara Chatno Py (MCHP).

4. Shri Zakia had greatly contributed in the field of literature of Mara and Journalism. His Contribution and achievements are, Editor, Zirtirtu Entu (1976-1979, Editor, Krizyhpa Chiamie (1988-1991), Member Mara Literature Committee (2002-2003), Editor Awsichani (2002-2003), Member, Board of Mara Literature (till date), Adviser, Chhimtuipui Acetlamy of letters (2016-2018), Proof Reader, ECM Office (1997-2001), Mara Bible, Proof Reader (2004-2007).

5. Shri Zakia has published numerous books worth mentioning are, Translation of school Text Books in Mara language (1993-1996), Mara Reih (Mara language) (1992), Mara Geography (1994), Mara Grammar Book I (1991), Mara Grammar Book II (2018), Ei khitlyna (my journey), Reit a chu teh (language learning), Missionary Chakaona (missionary Ministry) 2016, Hawtizy Bible (Simplefied Bible version for children) 2005.

6. Shri Zakia's contribution in the field of Education forum is also tremendous. A few are Member, High School Board (1958-1964), Member, Mizoram Text book Committee (1978-1976), Member, Mara education School Committee (2000-2003), Member Juvenile Justice board Social welfare Department (2010-2013).

7. Shri Zakia is the recipient of numerous awards and honours such as Certificate of Honours & Medal, Ministry of Home Affairs, Govt. of India, New Delhi (1971), Rokhumi Memorial Award. Govt. of Mizoram (1981), Productivity Award, Governor, Govt. of Mizoram (1987), Certificate of Merit, School Education Department, Govt. of Mizoram, Certificate of Merit, MADC, Siaha (1991), National Award for Teacher, Ministry of Human Resource Development, New Delhi (1992), Moonlight lifetime Achievement Award (2005), Maraland Gospel Centennial Award (2007), Appreciation Certificate for song composer and song translation, ECM Assembly 2010.

8. Shri Zakia's contribution to literature, education, religion and public are tremendous. He is the living legend of Maraland who enjoys doing philanthropic activities to the public and never gets tired of engaging himself in education too. Let him live longer showing the torch of knowledge in various fields to the benefit of the people in the years to come.



श्री ए. जाकिया

श्री ए. जाकिया, सेवानिवृत्त स्कूल प्रधानाध्यापक हैं, आप मारा साहित्य के विकास में अपने योगदान और शिक्षा के क्षेत्र के प्रबुद्ध व्यक्तियों में प्रतिष्ठित व्यक्तित्व के लिए व्यापक रूप से जाने जाते हैं।

2. आपका जन्म 30 अक्तूबर, 1930 को मिजोरम के साइहा जिले के लोरिएन गांव, साइकाओ में हुआ था। आपकी स्कूली शिक्षा साइकाओ के प्रथम मिशनरी स्कूल में हुई। 1956 में आपने सेरकॉव में शिक्षक प्रशिक्षण पूरा किया और 1960 में आइजॉल में जूनियर बेसिक ट्रेनिंग पूरी की। आपने 1957 से अपनी सेवानिवृत्ति तक (1957-1996) सिआहा के सरकारी प्राथमिक विद्यालय में स्कूल के प्रधानाध्यापक के पद पर कार्य किया।

3. आपने 1969 में चिमतुइपुई जिले में प्राथमिक अध्यापक संघ (पी टी ए) की स्थापना की। आपने इस संघ में विभिन्न पदों पर कार्य किया। 1990 तक आप अध्यक्ष, उपाध्यक्ष तथा महासचिव के पद पर रहे। 1978 में पुन: साइहा अध्यापक यूनियन (एस टी यू) की स्थापना हुई। आप इसके सह-संस्थापकों में से एक हैं और आपने उपाध्यक्ष तथा वित्तीय सचिव के रूप में कार्य किया। आप साइहा वाइपी के स्थानीय चर्च के सदस्य हैं और आपने महासचिव के पद (1984-2002) पर कार्य किया । वर्ष 2000 में सिविल पेंशनर एसोशिएशन की स्थापना हुई और आपने 2000-2007 तक सहायक सचिव के पद पर कार्य किया। आप दो स्वयंसेवी संस्थाओं; मारा छात्र संगठन (एम एस ओ) और मारा चटनोपाई (एमसीएचपी) के सलाहकार भी रहे।

4. आपने मारा साहित्य और पत्रकारिता के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। आपके योगदान और उपलब्धियों में सम्पादक, जिरतिरतु एतु (1976-79), सम्पादक क्रिज़फा चाइमी (1988-1991), सदस्य मारा साहित्य समिति (2002-2003), सम्पादक आइजिआनी (2002-2003), सदस्य, मारा साहित्य बोर्ड (अब तक), सलाहकार चिमतुइपुई एसेटंलामी ऑफ लेटरस (2016-2018), प्रूफ शोधक, ई सी एम कार्यालय (1997-2001), मारा बाइबल, प्रूफ शोधक (2004-2007) शामिल हैं।

5. आपने कई पुस्तकों का प्रकाशन किया है जिनमें से स्कूली पाठ्य पुस्तकों का मारा भाषा में अनुवाद (1993-1996), मारा रेह (मारा भाषा) (1992), मारा ज्योग्राफी (1994), मारा ग्रामर बुक-I (1991), मारा ग्रामर बुक-II (2018), एई खितलाना (माई जर्नी), रेइत उन चू तेह (भाषा अध्ययन), मिशनरी चाकाओना (मिश्नरी मिनिस्टरी) 2016, हॉल्जी बाइबल (बच्चों के लिए बाइबल की सरलीकृत रूप) 2005 उल्लेखनीय हैं ।

6. आपका एडुकेशन फोरम के क्षेत्र में भी अदभुत योगदान रहा है। इनमें से सदस्य, हाई स्कूल बोर्ड (1958-1964), सदस्य, मिजोरम टेक्स्ट बुक समिति (1976-1978), सदस्य, मारा एडुकेशन स्कूल समिति (2000-2003), सदस्य किशोर न्याय बोर्ड सामाजिक कल्याण विभाग (2010-2013) उल्लेखनीय है।

7. आपको सर्टीफिकेट ऑफ ऑनर्स एंड मेडल, गृह मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली (1971), रोखुमी मेमोरियल अवार्ड, मिजोरम सरकार (1981), प्रोडक्टीविटी अवार्ड, राज्यपाल, मिजोरम सरकार (1987),सर्टिफिकेट ऑफ मेरिट, स्कूल शिक्षा विभाग, मिजोरम सरकार, सर्टिफिकेट ऑफ मेरिट, एम ए डी सी, साइहा (1991), अध्यापक के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, नई दिल्ली (1992), मूनलाइट लाइफटाइम एचीवमेंट अवार्ड (2005), मारालैंड गॉस्पेल सेंटीनियल अवार्ड (2007), संगीतकार तथा गीत अनुवाद के लिए सराहना प्रमाणपत्र, ई सी एम असेम्बली 2010 जैसे कई पुरस्कार और सम्मान प्राप्त हुए हैं

8. आपका साहित्य, शिक्षा, धर्म तथा लोक सेवा क्षेत्र में योगदान अद्वितीय है। आप मारालैंड के जीवित युगपुरूष हैं और आपके द्वारा लोगों के लिए की जाने वाली कल्याणकारी गतिविधियों में आपको आनंद की अनुभूति होती है। आप शिक्षा के क्षेत्र में पूर्णत:लीन हैं। आप दिघार्यु हों और आगामी वर्षों में लोक कल्याण के लिए विभिन्न क्षेत्रों में ज्ञान का प्रकाश फैलाते रहें।